(c) The report of the CAG does not hold him responsible for the cumulative losses refered to in part (a) above. However, the Controller of Accounts and Finance is allegedly involved in the import and sale of dry dates which is currently under regular investigation by the CBI.

भवन निर्माण सामग्री के मूल्यों में वृद्धि

2767. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या शहरी वि[illegible] यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 15 फरवरी, 1989 के "इंडियन एक्सप्रैस में "नो बिल्डिंग वक ऑफ को-आपरेटिव सोसाइटी फार थ्री डेज शीर्षक के अन्तर्गत छपे समाचार की ओर दिलाया क्या है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि हाल ही में भवन निर्माण सामग्री के मूल्यों में भारी वृद्धि हुई है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस अतिशय वृद्धि के कारण भवन निर्माण कार्य में भारी बाधा आने की सम्भावना है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने भवन निर्माण सामग्री के मूल्यों में वृद्धि को ब्रेअसर करने हेतु इस सम्बन्ध में कोई प्रभावी कदम उठाए हैं?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री ([illegible] चौर सिंह) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जायेगी।

इस्पात के मूल्यों में वृद्धि

2768. **श्री राम जेठमलानी :**

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) यह सच है कि गत कई वर्षों के दौरान इस्पात के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि के बावजूद, सरकार ने इस वर्ष भी इस्पात के मूल्यों में वृद्धि की है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस्पात के मूल्यों में यह वृद्धि कोयले के मूल्यों, बिजली की दरों और परिवहन लागत में भारी वृद्धि के कारण की गयी है;

(ग) वर्तमान मूल्य वृद्धि से पहले, गत तीन वर्षों के दौरान कितनी मूल्य वृद्धि की गयी थी; और

(घ) उपरोक्त प्रत्येक कारण की वजह से इस्पात के उत्पादन पर कितना वित्तीय बोझ डाला गया है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री माखन लाल फोतेदार) : (क) और (ख) कोयला के मूल्यों, विद्युत दरें, भाड़े की दरों और उत्पाद शुल्क तथा अन्य करों जैसे आदानों की लागत में वृद्धि होने के कारण संयुक्त संयंत्र समिति [illegible] के मूल्यों में वृद्धि करनी [illegible]।

(ग) उपभोक्ता की औसत के आधार पर इस्पात की विभिन्न श्रेणियों के मूल्यों में वृद्धि निम्नानुसार है :—

(i) मार्च 85 से नवम्बर 87 तक	कोई वृद्धि नहीं।
(ii) दिसम्बर 87	520 रुपये से 3220 रुपये प्रति टन के बीच वृद्धि। (तथापि, .5, .4, और .35 मि. मी. आकार की जस्ती सादी/जस्ती नालीदार चादरों के मूल्यों में वास्तव में क्रमशः 990 रु., 1670 रु. और 1670 रु. प्रति टन के हिसाब से कमी की गई थी।
(iii) मार्च, 88	20 रुपये से 45 रुपये प्रति टन के बीच वृद्धि।
(iv) जनवरी, 89	300 रुपये से 1650 रुपये प्रति टन के बीच वृद्धि।